बाल भारती पब्लिक स्कूल, नवी मुंबई

अभ्यास पत्र (2020-21)

विषय - हिंदी, पाठ- रैदास के पद

कक्षा- नौवीं

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

   i. पहले पद में भगवान और भक्त की जिन-जिन चीजों से तुलना की गई है, उनका उल्लेख कीजिए।

   ii. पहले पद को प्रत्येक पंक्ति के अंत में तुकांत शब्दों के प्रयोग से नाद-सौंदर्य आ गया है, जैसे :- पानी, समानी आदि। इस पद में से अन्य तुकांत शब्द छौटकर लिखिए।

   iii. पहले पद में कुछ शब्द अर्थ की दृष्टि से परस्पर सम्बन्ध हैं। ऐसे शब्दों को छाँटकर लिखिए-

   उदाहरण: दीपक बाती

   ....

   ....

   ....

   iv. दूसरे पद में कवि ने 'गरीब निवाजु' किसे कहा है ? स्पष्ट कीजिए।

   v. दूसरे पद की 'जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

   vi. 'रैदास' ने अपने स्वामी को किन-किन नामों से पुकारा है ?

   vii. निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित रूप लिखिए-

   मोरा, चंद, बाती, जोति, बरै, राती, छत्रु, धरै, छोति, तुहीं, गुसईआ

2. नीचे लिखी पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-

   i. जाकी अँग-अँग बास समानी

   ii. जैसे चितवत चंद चकोरा

   iii. जाकी जोति बरै दिन राती

   iv. ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै

   v. नीचहु ऊच करै मेरा गोबिंदु काहू ते न डरै

3. रैदास के पदों का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए।